



वक्रं धर्मं निवात्मानं निवाहर्तुं निवर्तमानं यदा तदा प्रथमामि
 दा निर्वी॥ विरुति स्नान विधिं तत्तु यन्नि पूर्वमिदं ॥ नमस्तुते ॥ ॥
 दवनर्थं ॥ उक्ता ह्युपनी॥ विष्णु ह्युपनी॥ ब्रह्म ह्युपनी॥ दवाह्यं
 नी॥ यका ह्युपनी॥ नाग ह्युपनी॥ गंधर्व ह्युपनी॥ अयु न स ह
 यीनी॥ अवय ४ ह्युपनी॥ ह्रीं ह्रीं सदा निवायनेम ४॥ श्री सदा निवह
 यनी॥ ॥ पितृ नर्थं ॥ ॥ ह्युपनी॥ ॥ नृ हि ह्युपनी सहस्री ॥ ॥ भक्तो ना
 ॥ महामता ॥ अनूकं पयम रुक्मा गृहा ॥ ॥ यदि वा कन ॥ ॥ श्री ह्युपनी
 यजुर्ध नम ४॥ ॥ ॥ निविरुति स्नान विधि ४॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१ नम ४ निवाय ॥ नासि य ३ ॥ ऊं आत्म न त्वाय स्वाहा ॥ ऊं दिशान
 त्वाय स्वाहा ॥ ऊं निव न त्वाय स्वाहा ॥ ॥ ह्युपनी॥ अयमानव ॥ गम
 वही क न दा स ४ श्री निव प्रीति काम न या नि ह्य निवा र्ज ध क रुंधी
 ह्युपनी अय नम ४ ॥ अव स ॥ गु न ह्य नम ४ ॥ ख व स ॥ ग ॥ ॥ ॥
 य नम ४ ॥ द थ स ॥ निवा य नम ४ ॥ ॥ पा ॥ ॥ याम ४ ॥ सा द काय ॥ य १२
 न पी कु न ॥ व १० ॥ सा पि ध्या य ॥ व १६ ॥ ॥ न्या स ४ ॥ ह ४ अ क्राय रु द
 ४ ॥ ह्रीं ऊं गु षा ह्य नम ४ ॥ ह्रीं न र्ज ना ह्य नम ४ ॥ ह्रीं न थ मा ह्य नम ४
 ह्रीं अ ना मि का ह्य नम ४ ॥ ह्रीं क नि षा ह्य नम ४ ॥ ह्रीं क न व न व पृ षा ह्य

नमः॥ ॥ हां हृदयाय नमः॥ ॥ हं निन हं स्वाहा॥ ॥ हं निरवाये वषट्॥
हं कवचाय हं॥ ॥ हं ननु उयाय वषट्॥ ॥ हं अस्त्राय हं॥ ॥
ता हाय पूजा॥ ॥ कृत्वा पात्रासनाय नमः॥ ॥ धिया॥ ॥ गं गे च य मू न च
व॥ ॥ गं गे च य मू न च
कृत्॥ ॥ कं गं गं न॥ ॥ हां हं स॥ ॥ सदा निवाय नमः॥ ॥ कृत्वा पात्राय नमः॥
॥ आवाह न ह्वाय न च न्य क न पूर्य नमः॥ ॥ ॥ धन मूर्त्तौ दर्शय न॥ ॥
अर्घ्य पूजा॥ ॥ अर्घ्य पात्रासनाय नमः॥ ॥ व्यापक मं तुलाय नमः॥ ॥ वज्र
मिमं तुलाय नमः॥ ॥ हं ह्यर्घ्य मं तुलाय नमः॥ ॥ कृत्वा नय॥ ॥ गं गे च ॥

संक्षाम मं तुलाय नमः॥ ॥ हां हं स॥ ॥ सदा निवाय नमः॥ ॥ अर्घ्य पात्राय
नमः॥ ॥ आवाह न ह्वाय न च न्य ना क न पूर्य नमः॥ ॥ ॥ धन मूर्त्तौ दर्शय न
॥ ॥ गं गे च य मू न च
षु चादया न॥ ॥ धव कं पूजा सहाय॥ ॥ ॥ आत्म पूजा॥ ॥ आत्म नमः॥ ॥
आत्म न च न्य नमः॥ ॥ आत्म न पूर्य नमः॥ ॥ आत्मासनाय नमः॥
आत्म मूर्त्तय नमः॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

किं वा यत्किञ्चित् कुरुते न भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नोऽपि कुरुते न भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यत्किञ्चित् कुरुते न भगवन् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

म. म. २. ४०३. ३७

समस्त सत्तु हस्त काम जननि माता ॥ हात नया थुल
निर कोय लाया माया यासे गनी सिद्धि नाना माका
जननि मा ॐ काम को धलो भवा व मो हस्त रुकुम

Andred Ho

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----



